



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 34]

नई दिल्ली, सोमवार, फरवरी 2, 1981/माघ 13, 1902

No. 34]

NEW DELHI, MONDAY, FEBRUARY 2, 1981/MAGHA 13, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 2 फरवरी, 1981

किया जाएगा। यदि वार्षिक आबंटन किया जाता है तो वार्षिक आबंटन के बाद यथाशीघ्र अधिक अभिदान की राशि लौटा दी जाएगी। इस प्रकार लौटाई गयी राशि पर कोई ब्याज अदा नहीं किया जाएगा।

3. रु० 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 16 फरवरी 1994 को सममूल्य पर प्रतियोग 6.75 प्रतिशत ऋण, 1994

(i) वापसी अदायगी की तारीख—ऋण 16 फरवरी 1994 को सममूल्य पर वापस अदा किया जाएगा।

(ii) निर्गम मूल्य—आवेदन ऋण के प्रत्येक रु० 100.00 (सांकेतिक) का निर्गम मूल्य रु० 100.00 होगा।

(iii) ब्याज—इस ऋण की ब्याज दर 16 फरवरी 1981 से वार्षिक 6.75 प्रतिशत होगी। प्रत्येक छमाही में 16 अगस्त और 16 फरवरी को ब्याज अदा किया जाएगा। इस प्रकार अदा किये गये ब्याज पर नीचे दिये गये अनुच्छेद 6 और 7 के उपबंधों के अन्तर्गत आय कर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत कर लागू।

सं० एफ० 4(5)-डब्ल्यू० एण्ड एम०/80.-6.75 प्रतिशत ऋण, 1994 और 7.50 प्रतिशत ऋण, 2010 (नौवा निर्गम) के लिए 16 फरवरी, 1981 से अभिदान तक की में स्वीकार किये जाएंगे। जैसे ही यह विनिर्दिष्ट होगा कि कुल अभिदान राशि अनुमानतः 480 करोड़ रुपयों तक पहुँच गयी है, बिना सूचना दिये किन्तु किसी भी दशा में 17 फरवरी 1981 को कारोबार समाप्त होने से पूर्व, इन निर्गमों को बंद कर दिया जाएगा। सरकार को 480 करोड़ रुपयों से अधिक प्राप्त 10 प्रतिशत तक के अभिदानों को रख लेने का अधिकार है।

2. यदि उपर्युक्त ऋणों की कुल अभिदान राशि 528 करोड़ रुपयों से अधिक हो तो ऋणों के संबंध में अनुपातिक आधार पर वार्षिक आबंटन

4. रु० 100.00 प्रतिशत को दर पर जारी किया जाने वाला और 12 मई, 2010 को सममूल्य पर प्रतिदेय 7.50 प्रतिशत ऋण, 2010 (चौथा निर्गम)

(i) वापसी अदायगी की तारीख—ऋण 12 मई 2010 को सममूल्य पर वापस अदा किया जाएगा।

(ii) निर्गम से—प्रारंभित ऋण के प्रत्येक रु० 100.00 (संकेतिक) का निर्गम मूल्य रु० 100.00 होगा।

(iii) ब्याज—इस ऋण की ब्याज दर 10 फरवरी 1981 से वार्षिक 7.50 प्रतिशत होगी। 10 फरवरी 1981 से 11 मई 1981 (उस दिन को मिलाकर) तक की अवधि का ब्याज 12 मई 1981 को अदा किया जाएगा और उसके बाद प्रत्येक छमाही में 12 नवम्बर और 12 मई को ब्याज अदा किया जाएगा। इस प्रकार अदा किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 6 और 7 के उपबंधों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अन्तर्गत कर लगेगा।

पूरक व्यवस्थाएं

5. ब्याज अदा करने का स्थान—इन ऋणों पर भारतीय रिजर्व बैंक के अहमदाबाद, बंगलूर, बम्बई, कलकत्ता, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नयी दिल्ली और पटना में स्थित लोक ऋण कार्यालयों, भारत में जम्मू और काश्मीर तथा मिजोरम राज्यों को छोड़कर अन्यत्र किसी राजकीय या उप-राजकीय में ब्याज अदा किया जाएगा।

6. ब्याज अदा करने समय (वार्षिक वित्त अधिनियमों द्वारा निर्धारित दरों पर) काटे गये कर की वापसी अदायगी उन ऋण-धारकों को प्राप्त होगी जो कर-पत्र नहीं है या जिन पर ऐसी दरों पर कर लागू होता है जो काटे गये कर की दर से कम हों।

जो धारक कर-पत्र नहीं है या निर्धारित दर से कम दर पर कर-पत्र है वह बिने के आयकर अधिकारी को आवेदन कर उनसे एक ऐसा प्रमाण-पत्र प्राप्त कर सकता है जिसमें यह प्राधिकृत किया गया हो कि कर की कटौती किये बिना या धारक पर लागू होने वाली न्यूनतम दर पर कर की कटौती कर उसे ब्याज अदा किया जाए।

7. अब जारी किये जाने वाले ऋणों पर ब्याज और इसके पहले की अन्य सरकारी प्रतिभूतियों पर मिलने वाले ब्याज तथा अन्य अनुमोदित निवेशों से मिलने वाली आय की वार्षिक 3,000 रुपयों की सीमा तक और आय कर अधिनियम, 1961 की धारा 80D के अन्य उपबंधों के अधीन आय कर से छूट प्राप्त होगी।

8. अब जारी किये जाने वाले ऋणों में किये जाने वाले निवेशों के मुख्य और इसके पहले सरकारी प्रतिभूतियों में किये गये अन्य निवेशों और संपत्ति कर अधिनियम की धारा 5 में निर्दिष्ट अन्य निवेशों के मूल्य की भी 1,50,000 रुपयों की सीमा तक संपत्ति कर से छूट प्राप्त होगी।

9. प्रतिभूतियां निम्नलिखित के रूप में जारी की जाएंगी :—

(i) स्टॉक प्रमाणपत्र; या

(ii) वचनपत्र।

यदि आवेदक इनमें से किसी का उल्लेख न करें तो उन्हें वचनपत्रों के रूप में प्रतिभूतियां जारी की जाएंगी।

10. ऋणों के लिए आवेदन-पत्र—ऋणों के लिए आवेदन-पत्र रु० 100 या उसके गुणजों के लिए होने चाहियें।

11. आवेदन-पत्र निम्नलिखित कार्यालयों में स्वीकार किये जाएंगे :—

(क) अहमदाबाद, बंगलूर, बम्बई (फाट और भायखला), कलकत्ता, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नयी दिल्ली और पटना में स्थित भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यालय; और

(ख) उपर्युक्त (क) में दिये गये स्थानों को छोड़कर भारत में अन्य सभी स्थानों पर भारतीय स्टेट बैंक की शाखाएं।

12. आवेदन-पत्र इसके साथ संलग्न फार्म में या किसी ऐसे दूसरे फार्म में होने चाहियें जिसमें अपेक्षित प्रतिभूतियों की राशि और विश्रण, आवेदक का पूरा नाम और पता तथा उस कार्यालय का स्पष्ट उल्लेख हो जहां आवेदक ब्याज की अदायगी की अपेक्षा करता हो।

13. आवेदन-पत्रों के साथ आवश्यक राशि तर्कही या चेक के रूप में प्रेषित की जानी चाहिये। भारतीय रिजर्व बैंक या भारतीय स्टेट बैंक के कार्यालय में प्रस्तुत किये जाने वाले बैंक संबंधित बैंक के नाम आश्रित किये जाने चाहियें।

14. स्वीकृत बैंकों और दलालों को उनके द्वारा प्रस्तुत और उनके सहस्रयुक्त ऋण-आवेदनपत्रों पर किये गये आबंटनों पर प्रति रु० 100.00 (संकेतिक) 6 पैसे की दर पर दलाली अदा की जाएगी।

दलालों को अदायगी के लिए ऋण जारी किये जाने की तारीख से छ. महीने के अंतर अदायगी कार्यालयों में दावा पेश किया जाना चाहिये।

गण्ट्रपति के आदेश से,
अखिलेश तन्द निवारी, मयुक्त सचिव

आवेदन-पत्र का फार्म

मैं/हम* इसके साथ रु० (रुपये) के लिए
(पूरा/पूरे नाम)

तकदी*

प्रस्तुत करना है/करते हैं* और यह अनुरोध करना है/करते हैं कि मुझे/हमें* नीचे उल्लिखित मूल्य वर्ग/मूल्य वर्गों में के रूप में
क्षेत्र*

वचनपत्र (पत्रों)†

स्टॉक प्रमाणपत्र

रुपयों के संकेतिक मूल्य के 6.75 प्रतिशत ऋण, 1994*/7.50 प्रतिशत ऋण, 2010 (चौथा निर्गम)* की प्रतिभूतियां जारी की जाएं :—

प्रति वचनपत्र रु० का (के) वचनपत्र

प्रति वचनपत्र रु० का (के) वचनपत्र

प्रति वचनपत्र रु० का (के) वचनपत्र

2. मै/हम* चाहता हूँ/चाहती हूँ* कि उनका व्याज में अदा किया जाए ।

विशेष टिप्पणी : इन खानों में आवश्यक कृपया न लिखें ।

आगे प्रविष्टियों लोक ऋण कार्यालय द्वारा की जाएगी ।

	छोटे हस्ताक्षर	दिनांक
आवेदन पत्र सं०		
"बलासी नहीं" मुहर		हस्ताक्षर
नकदी प्राप्त होने की तारीख		पूरा (पूरे) नाम
चेक वसूल होने की तारीख		पता
विशेष चानू खाते में जमा किया गया		
जांच की गई		
नकदी आवेदन पत्रों के रजिस्टर में दर्ज किया गया		
दलाली रजिस्टर में दर्ज किया गया		
मांग पत्र संख्या		
प्रतिभूति संख्या		दिनांक फरवरी 1981
कार्ड संख्या		
वाउचर पारित करने की तारीख		

*जी आवश्यक न हो उसे काट दिया जाए ।

रु० 100, रु० 200, रु० 500, रु० 1,000, रु० 5,000, रु० 10,000, रु० 25,000, रु० 50,000 और रु० 1,00,000 के मूल्य वर्गों में बचनपत्र जारी किए जाएंगे । जो मूल्य वर्ग अपेक्षित हो उसका उल्लेख यहाँ किया जाए ।

टिप्पणी : (1) प्रत्येक ऋण, अभिदान के प्रत्येक प्रकार और अपेक्षित नए ऋण की प्रत्येक प्रकार की प्रतिभूति (स्टाक प्रमाणपत्र या बचनपत्र) के लिए अलग-अलग आवेदन किया जाए ।

(2) यदि आवेदक के हस्ताक्षर अंगुष्ठ के निशान के रूप में हों तो दो व्यक्ति उनके साथी हों । साक्षियों के हस्ताक्षरों के नीचे उनके पूरे नाम, व्यवसाय और पते दिए जाएं ।

(3) यदि आवेदन किसी पंजीकृत निकाय के नाम से किया जाए तो निवेश आवेदनपत्र के साथ निम्नलिखित दस्तावेज, यदि वे चोख ऋण कार्यालय में पहले ही पंजीकृत न किए गए हों, तो संलग्न किए जाएं —

(i) निगमन/पंजीकरण का मूल प्रमाणपत्र या कार्यालय के मुद्राक के अधीन जारी करने वाले प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित उनकी प्रतिनिधि ।

(ii) कम्पनी/निकाय के ज्ञापन पत्र और अंतनियम या नियमों और वित्तियमों/उप-नियमों की प्रमाणित प्रतिप्रतियां ।

(iii) कम्पनी/निकाय की ओर से मर्यादारी प्रतिभूतियों का खेद देन करने के लिए प्राधिकृत व्यक्ति(यों) के पक्ष में किए गए संकल्प की प्रमाणित प्रतिप्रति, उसके/उसके विधिवत सत्यापित नमूना हस्ताक्षर/हस्ताक्षरों के साथ ।

(4) जो आवेदक स्टॉक प्रमाणपत्रों के रूप में प्रतिभूतियां प्राप्त करना चाहते हैं, उन्हें ठमाही व्याज के प्रेषण के लिए (लोक ऋण कार्यालय में उपलब्ध) प्रावैध फार्म भी भरना चाहिए ।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 2nd February, 1981

No. F. 4(5)-W&M/80.—Subscriptions for the issues of 6.75 per cent. Loan, 1994 and 7.50 per cent. Loan 2010 (Fourth Issue) will be received from the 16th February 1981 in the form of cash. The issues will be closed without notice as soon as it appears that the total subscriptions amount approximately to Rs. 480 crores and in any case not later than the close of business on the 17th February 1981. Government reserve the right to retain subscriptions received upto 10 per cent. in excess of the sum of Rs. 480 crores.

2. If the total subscriptions to the aforesaid loans exceed the sum of Rs. 528 crores, partial allotment will be made in respect of the loans on a proportionate basis. If partial allotment is made, the excess subscriptions will be refunded as soon as possible after partial allotment. No interest will be paid on the amounts so refunded.

3. 6.75 per cent. Loan, 1994 issued at Rs. 100.00 per cent. and redeemable at par on the 15th February 1994.

(i) Date of Repayment.—The loan will be repaid at par on the 16th February 1994.

(ii) Issue Price.—The issue price will be Rs. 100.00 for every Rs. 100.00 (Nominal) of the Loan applied for.

(iii) Interest.—The Loan will bear interest at the rate of 6.75 per cent. per annum from 16th February 1981. Interest will be paid half-yearly on the 16th August and 16th February. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 6 and 7 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

4. 7.50 per cent. Loan, 2010 (Fourth Issue) issued at Rs. 100.00 per cent. and redeemable at par on the 12th May 2010.

(i) Date of Repayment.—The Loan will be repaid at par on the 12 May 2010.

(ii) Issue Price.—The issue price will be Rs. 100.00 for every Rs. 100.00 (Nominal) of the Loan applied for.

(iii) Interest.—The Loan will bear interest at the rate of 7.50 per cent. per annum from 16th February 1981. Interest for the period 16th February 1981 to 11th May 1981 (inclusive) will be paid on the 12th May 1981 and thereafter interest will be paid half-yearly on the 12th November and 12th May. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 6 and 7 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

SUPPLEMENTARY PROVISIONS

5. Place of Payment of Interest.—Interest on the Loans will be paid at the Public Debt Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bombay, Calcutta, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi and Patna at any Treasury or Sub-Treasury elsewhere in India except the States of Jammu and Kashmir and Sikkim.

6. Refunds of tax deducted at the time of payment of interest (at the rates prescribed by the Annual Finance Acts)

will be obtainable by holders of the Loan who are not liable to tax or who are liable to tax at rates lower than the rate at which tax was deducted.

A holder who is not liable to tax or who is liable to tax at a rate lower than the prescribed rate, can obtain, on application, a certificate from the Income-tax Officer of the district, authorising payment of interest to him without deduction of tax or with deduction of tax at such lower rate as may be applicable to the holder.

7. Interest on the loans now issued together with interest on other previous Government securities and income from other approved investments will be exempt from income-tax subject to a limit of Rs. 3,000 per annum and subject to the other provisions of Section 80L of the Income-tax Act, 1961.

8. The value of investments in the loans now issued together with the value of other previous investments in Government securities and the other investments specified in Section 5 of the Wealth Tax Act will also be exempt from the Wealth tax upto Rs. 1,50,000.

9. The securities will be issued in the form of—

(i) Stock Certificates, or

(ii) Promissory Notes.

If no preference is stated by the applicants, the securities will be issued in the form of Promissory Notes.

10. Applications for the Loans.—Applications for the loans must be for Rs. 100 or a multiple of that sum.

11. Applications will be received at—

(a) Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bombay (Fort and Byculla), Calcutta, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi and Patna; and

(b) Branches of the State Bank of India at all places in India except at (a) above.

12. Applications may be in the form attached hereto or in any other form which states clearly the amount and description of the securities required, the full name and address of the applicant and the office at which he desires the interest to be paid.

13. Applications should be accompanied by the necessary payment in the form of cash or cheque. Cheques tendered at the office of the Reserve Bank of India or the State Bank of India should be drawn in favour of the bank concerned.

14. Brokerage will be paid at the rate of 6 paise per Rs. 100.00 (Nominal) to recognised banks and brokers on allotments made in respect of applications for the loans tendered by them and bearing their stamp.

The claim for payment of brokerage should be preferred at the paying offices within six months from the date of floatation of the loans.

By order of the President,

A. C. TIWARI, Jt. Secy.

FORM OF APPLICATION

I/We*

[Full Name(s) in Block letters]

herewith

tender *Cash for Rs. (Rupees

*Cheque

and request that securities of 6.75 per cent. Loan, 1994*/7.50 per cent. Loan, 2010 (Fourth Issue of the nominal value of Rs. may be issued to me/us* in the form of Promissory Note(s) in the denomination(s) stated below : Stock Certificate

Promissory Note(s) of Rs. each

Promissory Note(s) of Rs. each

Promissory Note(s) of Rs. each

2. I/We* desire that interest be paid at

N.B.—The applicant should not write anything in this cage. The entries will be filled in by the Public Debt Office.

	Initials	Date
Application No.		
N.B. Stamp		
Cash received on		
Cheque realised on		
Credited to Special Current Account on		
Examined		
Cash Applications Register posted		
Brokerage Register posted		
Indent No.		
Scrip No.		
Card No.		
Voucher passed on		

Signature(s)

Name(s) in full (Block Letters)

Address

Dated the

of February 1981.

*Delete what is not required.

Promissory Notes will be issued in denominations of Rs. 100, Rs. 200, Rs. 500, Rs. 1,000, Rs. 5,000, Rs. 10,000, Rs. 25,000, Rs. 50,000 and Rs. 1,00,000. State here the particular denomination(s) required.

- Notes.— (1) Separate applications should be made for each Loan and each form of scrip (Stock Certificate or Promissory Note) of the new Loan required.
- (2) If the applicant's signature is by thumb mark, it should be witnessed by two persons. The full names, occupations and addresses of the witnesses should be appended to their signatures.
- (3) If the application is made in the name of the registered body, the undernoted documents, if not already registered at the Public Debt Office, should be enclosed with the investment application :
- Certificate of Incorporation/Registration in original or a copy thereof certified as true by the issuing authority under his office seal.
 - Certified copies of Memorandum and Articles of Association or the Rules and Regulations/By-laws of the company/body.
 - Certified copy of resolution in favour of the person/s authorised to deal in Government securities on behalf of the company/body together with his/their duly attested specimen signature(s).
- (4) Applicants desiring the issue of scrips in the form of Stock Certificates should also complete a Mandate Form (obtainable from Public Debt Office) for remittance of half-yearly interest to them.

